



NCERT Hindi Question Paper (Class-10)

Chapter 1 Soor Das ke Pad

- 1- गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवान कहने में क्या व्यंग्य निहित है?
- 2- उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की गई है?
- 3- गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं?
- 4- उद्धव द्वारा दिए गए योग के संदेश ने गोपियों की विरहाग्नि में घी का काम कैसे किया?
- 5- 'मरजादा न लही' के माध्यम से कौन-सी मर्यादा न रहने की बात की जा रही है?
- 6- कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया है?
- 7- गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है?
- 8- प्रस्तुत पदों के आधार पर गोपियों का योग-साधना के प्रति दृष्टिकोण स्पष्ट करें।
- 9- गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए?
- 10- गोपियों को कृष्ण में ऐसे कौन-से परिवर्तन दिखाई दिए जिनके कारण वे अपना मन वापस पा लेने की बात कहती हैं?
- 11- गोपियों ने अपने वाक्फ़ाचतुर्य के आधार पर ज्ञानी उद्धव को परास्त कर दिया, उनके वाक्फ़ाचतुर्य की विशेषताएँ लिखिए?
- 12- संकलित पदों को ध्यान में रखते हुए सूर के भ्रमरगीत की मुख्य विशेषताएँ बताइए? रचना और अभिव्यक्ति

13- गोपियों ने उद्धव के सामने तरह-तरह के तर्क दिए हैं, आप अपनी कल्पना से और तर्क दीजिए।

14- उद्धव जानी थे, नीति की बातें जानते थे_ गोपियों के पास ऐसी कौन-सी शक्ति थी जो उनके वाक्फचातुर्य में मुखरित हो उठी?

15- गोपियों ने यह क्यों कहा कि हरि अब राजनीति पढ़ आए हैं? क्या आपको गोपियों के इस कथन का विस्तार समकालीन राजनीति में नजर आता है, स्पष्ट कीजिए। पाठेतर सक्रियता प्रस्तुत पदों की सबसे बड़ी विशेषता है गोपियों की 'वाग्विदग्धता'। आपने ऐसे और चरित्रों के बारे में पढ़ा या सुना होगा जिन्होंने अपने वाक्फचातुर्य के आधार पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई_ जैसे_बीरबल, तेनालीराम, गोपालभांड, मुल्ला नसीरुद्दीन आदि। अपने किसी मनपसंद चरित्र के कुछ किस्से संकलित कर एक अलबम तैयार करें। सूर रचित अपने प्रिय पदों को लय व ताल के साथ गाएँ।

रचना और अभिव्यक्ति

13- गोपियों ने उद्धव के सामने तरह-तरह के तर्क दिए हैं, आप अपनी कल्पना से और तर्क दीजिए।

14- उद्धव जानी थे, नीति की बातें जानते थे_ गोपियों के पास ऐसी कौन-सी शक्ति थी जो उनके वाक्फचातुर्य में मुखरित हो उठी?

15- गोपियों ने यह क्यों कहा कि हरि अब राजनीति पढ़ आए हैं? क्या आपको गोपियों के इस कथन का विस्तार समकालीन राजनीति में नजर आता है, स्पष्ट कीजिए।

Chapter 2 Ram Lakshman Parshuram Samvad

राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद

प्रश्न-अभ्यास

1- परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए?

2- परशुराम के क्रोध करने पर राम और लक्ष्मण की जो प्रतिक्रियाएँ हुईं उनके आधार पर दोनों के स्वभाव की विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए।

3- लक्ष्मण और परशुराम के संवाद का जो अंश आपको सबसे अच्छा लगा उसे अपने शब्दों में संवाद शैली में लिखिए।

4- परशुराम ने अपने विषय में सभा में क्या-क्या कहा, निम्न पद्यांश के आधार पर लिखिए।

बाल ब्रह्मचारी अति कोही।

भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही।

सहसबाहुभुज छेदनिहारा।

बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।

बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
परसु बिलोकु महीपकुमारा।।
मातु पितहि जनि सोचबस करसि महीसकिसोर।
गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर।।

5- लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताईं?

6- साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है। इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

7- भाव स्पष्ट कीजिए।

(क) बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारु।।
(ख) इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
(ग) गाधिसूनु कह हृदय हसि मुनिहि हरियरे सूझ।
अयमय खाँड़ न ऊखमय अजहुँ न बूझ अबूझ।।

8- पाठ के आधार पर तुलसी के भाषा सौंदर्य पर दस पंक्तियाँ लिखिए।

9- इस पूरे प्रसंग में व्यंग्य का अनूठा सौंदर्य है। उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।

10- निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार पहचान कर लिखिए।

(क) बालकु बोलि बधौं नहि तोही।
(ख) कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा।
(ग) तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा।
बार बार मोहि लागि बोलावा।।
(घ) लखन उतर आहुति सरिस भृगुबरकोपु कृसानु।
बढ़त देखि जल सम बचन बोले रघुकुलभानु।।

रचना और अभिव्यक्ति

11- फसामाजिक जीवन में क्रोध की जरूरत बराबर पड़ती है। यदि क्रोध न हो तो मनुष्य दूसरे के द्वारा पहुँचाए जाने वाले बहुत से कष्टों की चिर-निवृत्ति का उपाय ही न कर सके।
आचार्य रामचंद्र शुक्ल जी का यह कथन इस बात की पुष्टि करता है कि क्रोध हमेशा नकारात्मक भाव तुलसीदास

Chapter 3 Dev ke Saviaya aur Kavitt

प्रश्न-अभ्यास

- 1- कवि ने 'श्रीब्रजदूह' किसके लिए प्रयुक्त किया है और उन्हें संसार रूपी मंदिर का दीपक क्यों कहा है?
- 2- पहले सवैये में से उन पंक्तियों को छाँटकर लिखिए जिनमें अनुप्रास और रूपक अलंकार का प्रयोग हुआ है?
- 3- निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।
पाँयनि नूपुर मंजु बजें, कटि किकिनि कै धुनि की मधुराई।
साँवरे अंग लसै पट पीत, हिये हुलसै बनमाल सुहाई।
- 4- दूसरे कवित्त के आधार पर स्पष्ट करें कि ऋतुराज वसंत के बाल-रूप का वर्णन परंपरागत वसंत वर्णन से किस प्रकार भिन्न है।
- 5- 'प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दै'। इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।
- 6- चाँदनी रात की सुंदरता को कवि ने किन-किन रूपों में देखा है?
- 7- 'प्यारी राधिका को प्रतिबिंब सो लगत चंद'। इस पंक्ति का भाव स्पष्ट करते हुए बताएँ कि इसमें कौन-सा अलंकार है?
- 8- तीसरे कवित्त के आधार पर बताइए कि कवि ने चाँदनी रात की उज्ज्वलता का वर्णन करने के लिए किन-किन उपमानों का प्रयोग किया है?
- 9- पठित कविताओं के आधार पर कवि देव की काव्यगत विशेषताएँ बताइए।

रचना और अभिव्यक्ति

- 10- आप अपने घर की छत से पूर्णिमा की रात देखिए तथा उसके सौंदर्य को अपनी कलम से शब्दबद्ध कीजिए।

पाठेतर सक्रियता

- भारतीय ऋतु चक्र में छह ऋतुएँ मानी गई हैं, वे कौन-कौन सी हैं?
- 'ग्लोबल वार्मिंग' के कारण ऋतुओं में क्या परिवर्तन आ रहे हैं? इस समस्या से निपटने के लिए आपकी क्या भूमिका हो सकती है?

Chapter 4 Jai Sankar Prasad Atmkadya

जयशंकर प्रसाद आत्मकथ्य

प्रश्न-अभ्यास

- 1- कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है?
- 2- आत्मकथा सुनाने के संदर्भ में 'अभी समय भी नहीं' कवि ऐसा क्यों कहता है?
- 3- स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है?

4- भाव स्पष्ट कीजिए।

(क) मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।

आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया।

(ख) जिसके अरुण कपोलों की मतवाली सुंदर छाया मैं।

अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया मैं।

5- 'उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की'। कथन के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

6- 'आत्मकथ्य' कविता की काव्यभाषा की विशेषताएँ उदाहरण सहित लिखिए।

7- कवि ने जो सुख का स्वप्न देखा था उसे कविता में किस रूप में अभिव्यक्त किया है?

रचना और अभिव्यक्ति

8- इस कविता के माध्यम से प्रसाद जी के व्यक्तित्व की जो झलक मिलती है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

9- आप किन व्यक्तियों की आत्मकथा पढ़ना चाहेंगे और क्यों?

10- कोई भी अपनी आत्मकथा लिख सकता है। उसके लिए विशिष्ट या बड़ा होना जरूरी नहीं। हरियाणा राज्य के गुड़गाँव में घरेलू सहायिका के रूप में काम करने वाली बेबी हालदार की आत्मकथा फ़ालो अांधारिय् बहुताँ के द्वारा सराही गई। आत्मकथात्मक शैली में अपने बारे में कुछ लिखिए।

पाठेतर सक्रियता

किसी भी चर्चित व्यक्ति का अपनी निजता को सार्वजनिक करना या दूसरों का उनसे ऐसी अपेक्षा करना सही है। इस विषय के पक्ष-विपक्ष में कक्षा में चर्चा कीजिए।

बिना ईमानदारी और साहस के आत्मकथा नहीं लिखी जा सकती। गांधी जी की आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग' पढ़कर पता लगाइए कि उसकी क्या-क्या विशेषताएँ हैं?

Chapter 5 Suryakant Tripathi Nirala Utsah

उत्साह

प्रश्न-अभ्यास

1- कवि बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने' के लिए कहता है, क्यों?

2- कविता का शीर्षक उत्साह क्यों रखा गया है?

3- कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत करता है?

4- शब्दों का ऐसा प्रयोग जिससे कविता के किसी खास भाव या दृश्य में ध्वन्यात्मक प्रभाव पैदा हो, नाद-सौंदर्य कहलाता है। उल्हास कविता में ऐसे कौन-से शब्द हैं जिनमें नाद-सौंदर्य मौजूद है, छाँटकर लिखें।

रचना और अभिव्यक्ति

5- जैसे बादल उमड़-घुमड़कर बारिश करते हैं वैसे ही कवि के अंतर्मन में भी भावों के बादल उमड़-घुमड़कर कविता के रूप में अभिव्यक्त होते हैं। ऐसे ही किसी प्राकृतिक सौंदर्य को देखकर अपने उमड़ते भावों को कविता में उतारिए।

पाठेतर सक्रियता

बादलों पर अनेक कविताएँ हैं। कुछ कविताओं का संकलन करें और उनका चित्रकन भी कीजिए। अट नहीं रही है

1- छायावाद की एक खास विशेषता है अंतर्मन के भावों का बाहर की दुनिया से सामंजस्य बिठाना। कविता की किन पंक्तियों को पढ़कर यह धारणा पुष्ट होती है? लिखिए।

2- कवि की आँख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही है?

3- प्रस्तुत कविता में कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन रूपों में किया है?

4- फागुन में ऐसा क्या होता है जो बाकी ऋतुओं से भिन्न होता है?

5- इन कविताओं के आधार पर निराला के काव्य-शिल्प की विशेषताएँ लिखिए।

रचना और अभिव्यक्ति

6- होली के आसपास प्रकृति में जो परिवर्तन दिखाई देते हैं, उन्हें लिखिए।

Chapter 6 Yah Dandurit Muskan

यह दंतुरित मुसकान

यह दंतुरित मुसकान

1- बच्चे की दंतुरित मुसकान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

2- बच्चे की मुसकान और एक बड़े व्यक्ति की मुसकान में क्या अंतर है?

3- कवि ने बच्चे की मुसकान के सौंदर्य को किन-किन बिंबों के माध्यम से व्यक्त किया है?

4- भाव स्पष्ट कीजिए।

(क) छोड़कर तालाब मेरी झाँपड़ी में खिल रहे जलजात।

(ख) छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शफालिका के फूल बाँस था कि बबूल?

रचना और अभिव्यक्ति

5- मुसकान और क्रोध भिन्न-भिन्न भाव हैं। इनकी उपस्थिति से बने वातावरण की भिन्नता का चित्रण कीजिए।

6- दंतुरित मुसकान से बच्चे की उम्र का अनुमान लगाइए और तर्क सहित उत्तर दीजिए।

7- बच्चे से कवि की मुलाकात का जो शब्द-चित्र उपस्थित हुआ है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

पाठेतर सक्रियता

आप जब भी किसी बच्चे से पहली बार मिलें तो उसके हाव-भाव, व्यवहार आदि को सूक्ष्मता से देखिए और उस अनुभव को कविता या अनुच्छेद के रूप में लिखिए।

1- कवि के अनुसार फसल क्या है?

2- कविता में फसल उपजाने के लिए आवश्यक तत्वों की बात कही गई है। वे आवश्यक तत्व कौन-कौन से हैं?

3- फसल को 'हाथों के स्पर्श की गरिमा' और 'महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करना चाहता है?

4- भाव स्पष्ट कीजिए।

(क) रूपांतर है सूरज की किरणों का सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का!

रचना और अभिव्यक्ति

5- कवि ने फसल को हजार-हजार खेतों की मि'ी का गुण-धर्म कहा है।

(क) मि'ी के गुण-धर्म को आप किस तरह परिभाषित करेंगे?

(ख) वर्तमान जीवन शैली मि'ी के गुण-धर्म को किस-किस तरह प्रभावित करती है?

(ग) मि'ी द्वारा अपना गुण-धर्म छोड़ने की स्थिति में क्या किसी भी प्रकार के जीवन की कल्पना की जा सकती है?

(घ) मि'ी के गुण-धर्म को पोषित करने में हमारी क्या भूमिका हो सकती है?

पाठेतर सक्रियता

इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया द्वारा आपने किसानों की स्थिति के बारे में बहुत कुछ सुना, देखा और पढ़ा होगा। एक सुदृढ़ कृषि-व्यवस्था के लिए आप अपने सुझाव देते हुए अखबार के संपादक को पत्र लिखिए। फसलों के उत्पादन में महिलाओं के योगदान को हमारी अर्थव्यवस्था में महत्व क्यों नहीं दिया जाता है? इस बारे में कक्षा में चर्चा कीजिए।

Chapter 7 Chaya Mat Chhoona

छाया मत छूना

प्रश्न-अभ्यास

1- कवि ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है?

2- भाव स्पष्ट कीजिए।

प्रभुता का शरण-बिब केवल मृगतृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

3- 'छाया' शब्द यहाँ किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है? कवि ने उसे छूने के लिए मना क्यों किया है?

4- कविता में विशेषण के प्रयोग से शब्दों के अर्थ में विशेष प्रभाव पड़ता है, जैसे कठिन यथार्थ। कविता में आए ऐसे अन्य उदाहरण छाँटकर लिखिए और यह भी लिखिए कि इससे शब्दों के अर्थ में क्या विशिष्टता पैदा हुई?

5- 'मृगतृष्णा' किसे कहते हैं, कविता में इसका प्रयोग किस अर्थ में हुआ है?

6- 'बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि ले' यह भाव कविता की किस पंक्ति में झलकता है?

7- कविता में व्यक्त दुख के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

रचना और अभिव्यक्ति

8- 'जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी', से कवि का अभिप्राय जीवन की मधुर स्मृतियों से है। आपने अपने जीवन की कौन-कौन सी स्मृतियाँ संजो रखी हैं?

9- 'क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?' कवि का मानना है कि समय बीत जाने पर भी उपलब्धि मनुष्य को आनंद देती है। क्या आप ऐसा मानते हैं? तर्क सहित लिखिए।

प्रश्न-अभ्यास

1- कवि ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है?

2- भाव स्पष्ट कीजिए।

प्रभुता का शरण-बिब केवल मृगतृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

3- 'छाया' शब्द यहाँ किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है? कवि ने उसे छूने के लिए मना क्यों किया है?

4- कविता में विशेषण के प्रयोग से शब्दों के अर्थ में विशेष प्रभाव पड़ता है, जैसे कठिन यथार्थ। कविता में आए ऐसे अन्य उदाहरण छाँटकर लिखिए और यह भी लिखिए कि इससे शब्दों के अर्थ में क्या विशिष्टता पैदा हुई?

5- 'मृगतृष्णा' किसे कहते हैं, कविता में इसका प्रयोग किस अर्थ में हुआ है?

6- 'बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि ले' यह भाव कविता की किस पंक्ति में झलकता है?

7- कविता में व्यक्त दुख के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

रचना और अभिव्यक्ति

8- 'जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी', से कवि का अभिप्राय जीवन की मधुर स्मृतियों से है। आपने अपने जीवन की कौन-कौन सी स्मृतियाँ संजो रखी हैं?

9- 'क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?' कवि का मानना है कि समय बीत जाने पर भी उपलब्धि मनुष्य को आनंद देती है। क्या आप ऐसा मानते हैं? तर्क सहित लिखिए।

पाठेतर सक्रियता

आप गर्मी की चिलचिलाती धूप में कभी सप् शफर करें तो दूर सड़क पर आपको पानी जैसा दिखाई देगा पर पास पहुँचने पर वहाँ कुछ नहीं होता। अपने जीवन में भी कभी-कभी हम सोचते कुछ हैं, दिखता कुछ है लेकिन वास्तविकता कुछ और होती है। आपके जीवन में घटे ऐसे किसी अनुभव को अपने प्रिय मित्र को पत्र लिखकर अभिव्यक्त कीजिए।

कवि गिरिजाकुमार माथुर की 'पंद्रह अगस्त' कविता खोजकर पढ़िए और उस पर चर्चा कीजिए।

आप गर्मी की चिलचिलाती धूप में कभी सप् शफर करें तो दूर सड़क पर आपको पानी जैसा दिखाई देगा पर पास पहुँचने पर वहाँ कुछ नहीं होता। अपने जीवन में भी कभी-कभी हम सोचते कुछ हैं, दिखता कुछ है लेकिन वास्तविकता कुछ और होती है। आपके जीवन में घटे ऐसे किसी अनुभव को अपने प्रिय मित्र को पत्र लिखकर अभिव्यक्त कीजिए। कवि गिरिजाकुमार माथुर की 'पंद्रह अगस्त' कविता खोजकर पढ़िए और उस पर चर्चा कीजिए।

Chapter 8 kanyadan

कन्यादान

प्रश्न-अभ्यास

1- आपके विचार से माँ ने ऐसा क्यों कहा कि लड़की होना पर लड़की जैसी मत दिखाई देना?

2- 'आग रोटियाँ सेंकने के लिए है जलने के लिए नहीं'

(क) इन पंक्तियों में समाज में स्त्री की किस स्थिति की ओर संकेत किया गया है?

(ख) माँ ने बेटी को सचेत करना क्यों जरूरी समझा?

3- 'पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की' इन पंक्तियों को पढ़कर लड़की की जो छवि आपके सामने उभरकर आ रही है उसे शब्दबद्ध कीजिए।

4- माँ को अपनी बेटी 'अंतिम पूँजी' क्यों लग रही थी?

5- माँ ने बेटी को क्या-क्या सीख दी?

रचना और अभिव्यक्ति

6- आपकी दृष्टि में कन्या के साथ दान की बात करना कहाँ तक उचित है?

पाठेतर सक्रियता

‘स्त्री को सौंदर्य का प्रतिमान बना दिया जाना ही उसका बंधन बन जाता है’ इस विषय पर कक्षा में चर्चा कीजिए।
यहाँ अफगानी कवयित्री मीना किश्वर कमाल की कविता की कुछ पंक्तियाँ दी जा रही हैं। क्या आपको कन्यादान कविता से इसका कोई संबंध दिखाई देता है?

Chapter 9 Sangatkar

संगतकार

प्रश्न-अभ्यास

- 1- संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?
- 2- संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं?
- 3- संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं?
- 4- भाव स्पष्ट कीजिए और उसकी आवाज में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है उसे विफलता नहीं उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।
- 5- किसी भी क्षेत्र में प्रसिद्धि पाने वाले लोगों को अनेक लोग तरह-तरह से अपना योगदान देते हैं। कोई एक उदाहरण देकर इस कथन पर अपने विचार लिखिए।
- 6- कभी-कभी तारसप्तक की ऊँचाई पर पहुँचकर मुख्य गायक का स्वर बिखरता नजर आता है उस समय संगतकार उसे बिखरने से बचा लेता है। इस कथन के आलोक में संगतकार की विशेष भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
- 7- सफलता के चरम शिखर पर पहुँचने के दौरान यदि व्यक्ति लड़खड़ाता है तब उसे सहयोगी किस तरह सँभालते हैं?

रचना और अभिव्यक्ति

- 8- कल्पना कीजिए कि आपको किसी संगीत या नृत्य समारोह का कार्यक्रम प्रस्तुत करना है लेकिन आपके सहयोगी कलाकार किसी कारणवश नहीं पहुँच पाएँ।
(क) ऐसे में अपनी स्थिति का वर्णन कीजिए।
(ख) ऐसी परिस्थिति का आप कैसे सामना करेंगे?
- 9- आपके विद्यालय में मनाए जाने वाले सांस्कृतिक समारोह में मंच के पीछे काम करने वाले सहयोगियों की भूमिका पर एक अनुच्छेद लिखिए।
- 10- किसी भी क्षेत्र में संगतकार की पंक्ति वाले लोग प्रतिभावान होते हुए भी मुख्य या शीर्ष स्थान पर क्यों नहीं पहुँच पाते होंगे?

पाठेतर सक्रियता

आप पि शफ़लमें तो देखते ही होंगे। अपनी पसंद की किसी एक पिशफ़लम के आधार पर लिखिए कि उस पि फ़लम की सफलता में अभिनय करने वाल कलाकारों के अतिरिक्त और किन-किन लोगों का योेेगदान रहा।

आपके विद्यालय में किसी प्रसिद्ध गायिका की गीत प्रस्तुति का आयोजन है।

(क) इस संबंध पर सूचना प के लिए एक नोटिस तैयार कीजिए।

(ख) गायिका व उसके संगतकारों का परिचय देने के लिए आलेख (स्क्रिप्ट) तैयार कीजिए।

Chapter 10 Neta Ji ka Chasma

नेताजी का चश्मा

प्रश्न-अभ्यास

1- सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?

2- हालदार साहब ने ड्राइवर को पहले चौराहे पर गाड़ी रोकने के लिए मना किया था लेकिन बाद में तुरंत रोकने को कहा।

(क) हालदार साहब पहले मायूस क्यों हो गए थे?

(ख) मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद जगाता है?

(ग) हालदार साहब इतनी-सी बात पर भावुक क्यों हो उठे?

3- आशय स्पष्ट कीजिए।

फबार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी-जवानी-जिदगी सब कुछ होम देनेवालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढती है।

4- पानवाले का एक रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए।

5- फवो लँगड़ा क्या जाएगा प् शफ़ौज में। पागल है पागल! कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए।

रचना और अभिव्यक्ति

6- निम्नलिखित वाक्य पात्रों की कौन-सी विशेषता की ओर संकेत करते हैं।

(क) हालदार साहब हमेशा चौराहे पर रफकते और नेताजी को निहारते।

(ख) पानवाला उदास हो गया। उसने पीछे मुड़कर मुँह का पान नीचे थूका और सिर झुकाकर अपनी धोती के सिरे से आँखें पोंछता हुआ बोला। साहब! कैप्टन मर गया।

(ग) कैप्टन बार-बार मूर्ति पर चश्मा लगा देता था।

7- जब तक हालदार साहब ने कैप्टन को साक्षात् देखा नहीं था तब तक उनके मानस पटल पर उसका कौन-सा चित्र रहा होगा, अपनी कल्पना से लिखिए।

8- कस्बों, शहरों, महानगरों के चौराहों पर किसी न किसी क्षेत्र के प्रसिद्ध व्यक्ति की मूर्ति लगाने का प्रचलन-सा हो गया है।

(क) इस तरह की मूर्ति लगाने के क्या उद्देश्य हो सकते हैं?

(ख) आप अपने इलाके के चौराहे पर किस व्यक्ति की मूर्ति स्थापित करवाना चाहेंगे और क्यों?

(ग) उस मूर्ति के प्रति आपके एवं दूसरे लोगों के क्या उत्तरदायित्व होने चाहिए?

9- सीमा पर तैनात पृथ्वी शफ़ौजी ही देश-प्रेम का परिचय नहीं देते। हम सभी अपने दैनिक कार्यों में किसी न किसी रूप में देश-प्रेम प्रकट करते हैं_ जैसे-सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुँचाना, पर्यावरण संरक्षण आदि।

अपने जीवन-जगत से जुड़े ऐसे और कार्यों का उल्लेख कीजिए और उन पर अमल भी कीजिए।

10- निम्नलिखित पंक्तियों में स्थानीय बोली का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है, आप इन पंक्तियों को मानक हिंदी में लिखिए।

कोई गिराक आ गया समझो। उसको चौड़े चौखट चाहिए। तो कैप्टन किदर से लाएगा? तो उसको मूर्तिवाला दे दिया। उदर दूसरा बिठा दिया।

11- 'भई खूब! क्या आइडिया है।' इस वाक्य को ध्यान में रखते हुए बताइए कि एक भाषा में दूसरी भाषा के शब्दों के आने से क्या लाभ होते हैं?

भाषा-अध्ययन

12- निम्नलिखित वाक्यों से निपात छाँटिए और उनसे नए वाक्य बनाइए।

(क) नगरपालिका थी तो कुछ न कुछ करती भी रहती थी।

(ख) किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया गया होगा।

(ग) यानी चश्मा तो था लेकिन संगमरमर का नहीं था।

(घ) हालदार साहब अब भी नहीं समझ पाए।

(ङ) दो साल तक हालदार साहब अपने काम के सिलसिले में उस कस्बे से गुजरते रहे।

Chapter 11 Bal Gobin Bhagat

बालगोबिन भगत

प्रश्न-अभ्यास

1- खेतीबारी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे?

2- भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?

3- भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त कीं?

- 4- भगत के व्यक्तित्व और उनकी वेशभूषा का अपने शब्दों में चित्र प्रस्तुत कीजिए।
- 5- बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी?
- 6- पाठ के आधार पर बालगोबिन भगत के मधुर गायन की विशेषताएँ लिखिए।
- 7- कुछ मार्मिक प्रसंगों के आधार पर यह दिखाई देता है कि बालगोबिन भगत प्रचलित सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे। पाठ के आधार पर उन प्रसंगों का उल्लेख कीजिए।
- 8- धान की रोपाई के समय समूचे माहौल को भगत की स्वर लहरियाँ किस तरह चमत्कृत कर देती थीं? उस माहौल का शब्द-चित्र प्रस्तुत कीजिए।

रचना और अभिव्यक्ति

- 9- पाठ के आधार पर बताएँ कि बालगोबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा किन-किन रूपों में प्रकट हुई है?
- 10- आपकी दृष्टि में भगत की कबीर पर अगाध श्रद्धा के क्या कारण रहे होंगे?
- 11- गाँव का सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश आषाढ़ चढ़ते ही उल्लास से क्यों भर जाता है?
- 12- फूँपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे। क्या 'साधु' की पहचान पहनावे के आधार पर की जानी चाहिए? आप किन आधारों पर यह सुनिश्चित करेंगे कि अमुक व्यक्ति 'साधु' है?
- 13- मोह और प्रेम में अंतर होता है। भगत के जीवन की किस घटना के आधार पर इस कथन का सच सिद्ध करेंगे?

भाषा-अध्ययन

- 14- इस पाठ में आए कोई दस क्रियाविशेषण छाँटकर लिखिए और उनके भेद भी बताइए।

पाठेतर सक्रियता

पाठ में ऋतुओं के बहुत ही सुंदर शब्द-चित्र उकेरे गए हैं। बदलते हुए मौसम को दर्शाते हुए चित्र/पु फोटो का संग्रह कर एक अलबम तैयार कीजिए।

Chapter 12 Lakhnavi Andaj

लखनवी अंदाज

प्रश्न-अभ्यास

- 1- लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं?

2- नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक-मिर्च बुरका, अंततः सूँघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा? उनका ऐसा करना उनके कैसे स्वभाव को इंगित करता है?

3- बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है। यशपाल के इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं?

4- आप इस निबंध को और क्या नाम देना चाहेंगे?

रचना और अभिव्यक्ति

5- (क) नवाब साहब द्वारा खीरा खाने की तैयारी करने का एक चित्र प्रस्तुत किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

(ख) किन-किन चीजों का रसास्वादन करने के लिए आप किस प्रकार की तैयारी करते हैं?

6- खीरे के संबंध में नवाब साहब के व्यवहार को उनकी सनक कहा जा सकता है। आपने नवाबों की और भी सनकों और शौक के बारे में पढ़ा-सुना होगा। किसी एक के बारे में लिखिए।

7- क्या सनक का कोई सकारात्मक रूप हो सकता है? यदि हाँ तो ऐसी सनकों का उल्लेख कीजिए।

भाषा-अध्ययन

8- निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियापद छाँटकर क्रिया-भेद भी लिखिए।

(क) एक सप् शफ़ेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे।

(ख) नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया।

(ग) ठाली बैठे, कल्पना करते रहने की पुरानी आदत है।

(घ) अकेले सप् शफ़र का वक्त काटने के लिए ही खीरे खरीदे होंगे।

(घ) दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोदकर झाग निकाला।

(च) नवाब साहब ने सतृष्ण आँखों से नमक-मिर्च के संयोग से चमकती खीरे की फाँकों की ओर देखा।

(छ) नवाब साहब खीरे की तैयारी और इस्तेमाल से थककर लेट गए।

(ज) जेब से चाकू निकाला।

पाठेतर सक्रियता

‘किबला शौक फरमाएँ’, ‘आदाब-अर्ज---शौक फरमाएँगे’ जैसे कथन शिष्टाचार से जुड़े हैं। अपनी मातृभाषा के शिष्टाचार सूचक कथनों की एक सूची तैयार कीजिए।

‘खीरा---मेदे पर बोझ डाल देता है’ क्या वास्तव में खीरा अपच करता है? किसी भी खाद्य पदार्थ का पच-अपच होना कई कारणों पर निर्भर करता है। बड़ाे से बातचीत कर कारणों का पता लगाइए। खाद्य पदार्थों के संबंध में बहुत-सी मान्यताएँ हैं जो आपके क्षेत्र में प्रचलित होंगी, उनके बारे में चर्चा कीजिए।

पतनशील सामंती वर्ग का चित्रण प्रेमचंद ने अपनी एक प्रसिद्ध कहानी ‘शतरंज के खिलाड़ी’ में किया था और फिर बाद में सत्यजीत राय ने इस पर इसी नाम से एक पि शफ़ल्म भी बनाई थी। यह कहानी ढूँढ़कर पढ़िए और संभव हो तो पिफ़िल्म भी देखिए।

Chapter 13 Manveeya Karuda Kee Divya Chamak

मानवीय करुणा की दिव्य चमक

प्रश्न-अभ्यास

- 1- प् शफ़ादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी?
- 2- प शफ़ादर बुल्के भारतीय संस्कृति के एक अभिन्न अंग हैं, किस आधार पर ऐसा कहा गया है?
- 3- पाठ में आए उन प्रसंगों का उल्लेख कीजिए जिनसे प् शफ़ादर बुल्के का हिदी प्रेम प्रकट होता है?
- 4- इस पाठ के आधार पर प् शफ़ादर कामिल बुल्के की जो छवि उभरती है उसे अपने शब्दों में लिखिए।
- 5- लेखक ने प् शफ़ादर बुल्के को 'मानवीय करफ़णा की दिव्य चमक' क्यों कहा है?
- 6- प् शफ़ादर बुल्के ने संन्यासी की परंपरागत छवि से अलग एक नयी छवि प्रस्तुत की है, कैसे?

7- आशय स्पष्ट कीजिएµ

- (क) नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है।
(ख) प् शफ़ादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है।

रचना और अभिव्यक्ति

- 8- आपके विचार से बुल्के ने भारत आने का मन क्यों बनाया होगा?
- 9- 'बहुत सुंदर है मेरी जन्मभूमिµरेम्सचैपल।'µइस पंक्ति में प् शफ़ादर बुल्के की अपनी जन्मभूमि के प्रति कौन-सी भावनाएँ अभिव्यक्त होती हैं? आप अपनी जन्मभूमि के बारे में क्या सोचते हैं?

भाषा-अध्ययन

- 10- मेरा देश भारत विषय पर 200 शब्दों का निबंध लिखिए।
- 11- आपका मित्र हडसन एंड्री ऑस्ट्रेलिया में रहता है। उसे इस बार की गर्मी की छुियों के दौरान भारत के पर्वतीय प्रदेशों के भ्रमण हेतु निमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।
- 12- निम्नलिखित वाक्यों में समुच्यबोधक छॉटकर अलग लिखिएµ
(क) तब भी जब वह इलाहाबाद में थे और तब भी जब वह दिल्ली आते थे।
(ख) माँ ने बचपन में ही घोषित कर दिया था कि लड़का हाथ से गया।
(ग) वे रिश्ता बनाते थे तो तोड़ते नहीं थे।
(घ) उनके मुख से सांत्वना के जादू भरे दो शब्द सुनना एक ऐसी रोशनी से भर देता था जो किसी गहरी तपस्या से

जनमती है।

(घ) पिता और भाइयों के लिए बहुत लगाव मन में नहीं था लेकिन वो स्मृति में अकसर डूब जाते।

पाठेतर सक्रियता

पु. शफादर बुल्के का 'अंग्रेजी-हिंदी कोश' उनकी एक महत्वपूर्ण देन है। इस कोश को देखिए-समझिए।

पु. शफादर बुल्के की तरह ऐसी अनेक विभूतियाँ हुई हैं जिनकी जन्मभूमि अन्यत्र थी लेकिन कर्मभूमि के रूप में उन्होंने भारत को चुना। ऐसे अन्य व्यक्तियों के बारे में जानकारी एकत्र कीजिए।

कुछ ऐसे व्यक्ति भी हुए हैं जिनकी जन्मभूमि भारत है लेकिन उन्होंने अपनी कर्मभूमि किसी और देश को बनाया है, उनके बारे में भी पता लगाइए।

एक अन्य पहलू यह भी है कि पश्चिम की चकाचौंध से आकर्षित होकर अनेक भारतीय विदेशों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। इस पर अपने विचार लिखिए।

Chapter 14 Ek kahani Yah Bhi

एक कहानी यह भी

प्रश्न-अभ्यास

- 1- लेखिका के व्यक्तित्व पर किन-किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पड़ा?
- 2- इस आत्मकथ्य में लेखिका के पिता ने रसोई को 'भटियारखाना' कहकर क्यों संबोधित किया है?
- 3- वह कौन-सी घटना थी जिसके बारे में सुनने पर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास हो पाया और न अपने कानों पर?
- 4- लेखिका की अपने पिता से वैचारिक टकराहट को अपने शब्दों में लिखिए।
- 5- इस आत्मकथ्य के आधार पर स्वाधीनता आंदोलन के परिदृश्य का चित्रण करते हुए उसमें मन्नू जी की भूमिका को रेखांकित कीजिए।

रचना और अभिव्यक्ति

- 6- लेखिका ने बचपन में अपने भाइयों के साथ गिल्ली डंडा तथा पतंग उड़ाने जैसे खेल भी खेले किंतु लड़की होने के कारण उनका दायरा घर की चारदीवारी तक सीमित था। क्या आज भी लड़कियों के लिए स्थितियाँ ऐसी ही हैं या बदल गई हैं, अपने परिवेश के आधार पर लिखिए।
- 7- मनुष्य के जीवन में आस-पड़ोस का बहुत महत्व होता है। परंतु महानगरों में रहने वाले लोग प्रायः 'पड़ोस कल्चर' से वंचित रह जाते हैं। इस बारे में अपने विचार लिखिए।

8- लेखिका द्वारा पढ़े गए उपन्यासों की सूची बनाइए और उन उपन्यासों को अपने पुस्तकालय में खोजिए।

9- आप भी अपने दैनिक अनुभवों को डायरी में लिखिए।

भाषा-अध्ययन

10- इस आत्मकथ्य में मुहावरों का प्रयोग करके लेखिका ने रचना को रोचक बनाया है। रेखांकित मुहावरों को ध्यान में रखकर कुछ और वाक्य बनाएँ।

(क) इस बीच पिता जी के एक निहायत दकियानूसी मित्र ने घर आकर अच्छी तरह पिता जी की लू उतारी।

(ख) वे तो आग लगाकर चले गए और पिता जी सारे दिन भभकते रहे।

(ग) बस अब यही रह गया है कि लोग घर आकर थू-थू करके चले जाएँ।

(घ) पत्र पढ़ते ही पिता जी आग-बबूला।

पाठेतर सक्रियता

इस आत्मकथ्य से हमें यह जानकारी मिलती है कि कैसे लेखिका का परिचय साहित्य की अच्छी पुस्तकों से हुआ। आप इस जानकारी का लाभ उठाते हुए अच्छी साहित्यिक पुस्तकें पढ़ने का सिलसिला शुरू कर सकते हैं। कौन जानता है कि आप में से ही कोई अच्छा पाठक बनने के साथ-साथ अच्छा रचनाकार भी बन जाए। लेखिका के बचपन के खेलों में लँगड़ी टॉग, पकड़म-पकड़ाई और काली-टीलो आदि शामिल थे। क्या आप भी यह खेल खेलते हैं। आपके परिवेश में इन खेलों के लिए कौन-से शब्द प्रचलन में हैं। इनके अतिरिक्त आप जो खेल खेलते हैं उन पर चर्चा कीजिए। स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की भी सक्रिय भागीदारी रही है। उनके बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए और उनमें से किसी एक पर प्रोजेक्ट तैयार कीजिए।

Chapter 15 Estri Virodhi Kutarko Ka Khundan

स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन

प्रश्न-अभ्यास

1- कुछ पुरातन पंथी लोग स्त्रियों की शिक्षा के विरोधी थे। द्विवेदी जी ने क्या-क्या तर्क देकर स्त्री-शिक्षा का समर्थन किया?

2- 'स्त्रियों को पढ़ाने से अनर्थ होते हैं' कुतर्कवादियों की इस दलील का खंडन द्विवेदी जी ने कैसे किया है, अपने शब्दों में लिखिए।

3- द्विवेदी जी ने स्त्री-शिक्षा विरोधी कुतर्कों का खंडन करने के लिए व्यंग्य का सहारा लिया है-जैसे 'यह सब पापी पढ़ने का अपराध है। न वे पढ़तीं, न वे पूजनीय पुरुषों का मुकाबला करतीं।' आप ऐसे अन्य अंशों को निबंध में से छाँटकर समझिए और लिखिए।

4- पुराने समय में स्त्रियों द्वारा प्राकृत भाषा में बोलना क्या उनके अपढ़ होने का सबूत है? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

5- परंपरा के उन्हीं पक्षों को स्वीकार किया जाना चाहिए जो स्त्री-पुरुष समानता को बढ़ाते हों-तर्क सहित उत्तर दीजिए।

6- तब की शिक्षा प्रणाली और अब की शिक्षा प्रणाली में क्या अंतर है? स्पष्ट करें।

रचना और अभिव्यक्ति

7- महावीरप्रसाद द्विवेदी का निबंध उनकी दूरगामी और खुली सोच का परिचायक है, कैसे?

8- द्विवेदी जी की भाषा-शैली पर एक अनुच्छेद लिखिए।

भाषा-अध्ययन

9- निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों को ऐसे वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए जिनमें उनके एकाधिक अर्थ स्पष्ट हों।
चाल, दल, पत्र, हरा, पर, फल, कुल पाठेतर सक्रियता अपनी दादी, नानी और माँ से बातचीत कीजिए और (स्त्री-शिक्षा संबंधी) उस समय की स्थितियों का पता लगाइए और अपनी स्थितियों से तुलना करते हुए निबंध लिखिए। चाहें तो उसके साथ तसवीरें भी चिपकाइए। लड़कियों की शिक्षा के प्रति परिवार और समाज में जागरूकता आए। इसके लिए आप क्या-क्या करेंगे? स्त्री-शिक्षा पर एक पोस्टर तैयार कीजिए। स्त्री-शिक्षा पर एक नुक्कड़ नाटक तैयार कर उसे प्रस्तुत कीजिए।

Chapter 16 Noubat Khane Ki Ebadat

नौबतखाने में इबादत

प्रश्न-अभ्यास

1- शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है?

2- बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

3- सुषिर-वाद्यों से क्या अभिप्राय है? शहनाई को 'सुषिर वाद्यों में शाह' की उपाधि क्यों दी गई होगी?

4- आशय स्पष्ट कीजिए।

(क) 'फटा सुर न बख्शें। लुंगिया का क्या है, आज फटी है, तो कल सी जाएगी।'

(ख) 'मेरे मालिक सुर बख्श दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ।'

5- काशी में हो रहे कौन-से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे?

6- पाठ में आए किन प्रसंगों के आधार पर आप कह सकते हैं कि

(क) बिस्मिल्ला खाँ मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे।

(ख) वे वास्तविक अर्थों में एक सच्चे इन्सान थे।

7- बिस्मिल्ला खाँ के जीवन से जुड़ी उन घटनाओं और व्यक्तियों का उल्लेख करें जिन्होंने उनकी संगीत साधना को समृद्ध किया?

रचना और अभिव्यक्ति

8- बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया?

9- मुहम्मद से बिस्मिल्ला खाँ के जुड़ाव को अपने शब्दों में लिखिए।

10- बिस्मिल्ला खाँ कला के अनन्य उपासक थे, तर्क सहित उत्तर दीजिए।

भाषा अध्ययन

11- निम्नलिखित मिश्र वाक्यों के उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए

(क) यह जरूर है कि शहनाई और डुमराँव एक-दूसरे के लिए उपयोगी हैं।

(ख) रीड अंदर से पोली होती है जिसके सहारे शहनाई को फूँका जाता है।

(ग) रीड नरकट से बनाई जाती है जो डुमराँव में मुख्यतः सोन नदी के किनारों पर पाई जाती है।

(घ) उनको यकीन है, कभी खुदा यूँ ही उन पर मेहरबान होगा।

(घ) हिरन अपनी ही महक से परेशान पूरे जंगल में उस वरदान को खोजता है जिसकी गमक उसी में समाई है।

(च) खाँ साहब की सबसे बड़ी देन हमें यही है कि पूरे अस्सी बरस उन्होंने संगीत को संपूर्णता व एकाधिकार से सीखने की जिजीविषा को अपने भीतर जिंदा रखा।

12- निम्नलिखित वाक्यों को मिश्रित वाक्यों में बदलिए

(क) इसी बालसुलभ हँसी में कई यादें बंद हैं।

(ख) काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्भुत परंपरा है।

(ग) धत! पगली ई भारतरत्न हमको शहनाईया पे मिला है, लुंगिया पे नहीं।

(घ) काशी का नायाब हीरा हमेशा से दो कौमों को एक होकर आपस में भाईचारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा।

पाठेतर सक्रियता

कल्पना कीजिए कि आपके विद्यालय में किसी प्रसिद्ध संगीतकार के शहनाई वादन का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की सूचना देते हुए बुलेटिन बोर्ड के लिए नोटिस बनाइए। आप अपने मनपसंद संगीतकार के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए। हमारे साहित्य, कला, संगीत और नृत्य को समृद्ध करने में काशी (आज के वाराणसी) के योगदान पर चर्चा कीजिए। काशी का नाम आते ही हमारी आँखों के सामने काशी की बहुत-सी चीजें उभरने लगती हैं, वे कौन-कौन सी हैं?

Chapter 17 Sanskrit

संस्कृति

- 1- लेखक की दृष्टि में 'सभ्यता' और 'संस्कृति' की सही समझ अब तक क्यों नहीं बन पाई है?
- 2- आग की खोज एक बहुत बड़ी खोज क्यों मानी जाती है? इस खोज के पीछे रही प्रेरणा के मुख्य स्रोत क्या रहे होंगे?
- 3- वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है?
- 4- न्यूटन को संस्कृत मानव कहने के पीछे कौन से तर्क दिए गए हैं? न्यूटन द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों एवं ज्ञान की कई दूसरी बारीकियों को जानने वाले लोग भी न्यूटन की तरह संस्कृत नहीं कहला सकते, क्यों?
- 5- किन महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुई-धागे का आविष्कार हुआ होगा?
- 6- फमानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है।य् किन्हीं दो प्रसंगां का उल्लेख कीजिए जब दवज जव इम तमचनइसपौमक**
(क) मानव संस्कृति को विभाजित करने की चेष्टाएँ की गई।
(ख) जब मानव संस्कृति ने अपने एक होने का प्रमाण दिया।
- 7- आशय स्पष्ट कीजिए**
(क) मानव की जो योग्यता उससे आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति? रचना और अभिव्यक्ति
- 8- लेखक ने अपने दृष्टिकोण से सभ्यता और संस्कृति की एक परिभाषा दी है। आप सभ्यता और संस्कृति के बारे में क्या सोचते हैं, लिखिए।

भाषा-अध्ययन

9- निम्नलिखित सामासिक पदों का विग्रह करके समास का भेद भी लिखिए

गलत-सलत आत्म-विनाश

महामानव पददलित

हिदू-मुसलिम यथोचित

सप्तर्षि सुलोचना

पाठेतर सक्रियता

'स्थूल भौतिक कारण ही आविष्कारों का आधार नहीं है।' इस विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कीजिए।

उन खोजों और आविष्कारों की सूची तैयार कीजिए जो आपकी नजर में बहुत महत्वपूर्ण हैं?

शब्द-संपदा

ौ छब्मत्ज्

आध्यात्मिक - परमात्मा या आत्मा से संबंध रखने वाला मन से संबंध रखने वाला

साक्षात् - आँखों के सामने, प्रत्यक्ष, सीधे

आविष्कर्ता - आविष्कार करने वाला

परिष्कृत - जिसका परिष्कार किया गया हो, शुद्ध किया हुआ, साप्
शुद्ध किया हुआ